

भारत सरकार  
जल शक्ति मंत्रालय  
जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग  
लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 3055  
जिसका उत्तर 16 दिसम्बर, 2021 को दिया जाना है।

.....  
प्रायद्वीपीय नदियों को परस्पर जोड़ना

3055. डॉ. डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस.:

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में नदियों को परस्पर जोड़ने के कार्यक्रम के प्रायद्वीपीय घटक और उनके उप-घटकों की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है और इस परियोजना से राज्य-वार क्या लाभ होंगे;
- (ख) क्या इस कार्यक्रम से जल विद्युत उत्पादन का कोई प्रावधान है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इससे कितनी विद्युत का उत्पादन हुआ है;
- (ग) क्या सरकार ने राज्य सरकारों के साथ कोई बैठक की है या परियोजना की निगरानी के लिए एक समिति गठित करने का अनुरोध किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (घ) सरकार द्वारा पर्यावरणीय और आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री बिश्वेश्वर टुडू)

(क): जल के अंतर-बेसिन अंतरण के माध्यम से जल की कमी वाले बेसिनों से अधिक जल वाले बेसिनों में जल अंतरण करने के लिए, जल स्रोतों के विकास हेतु अगस्त 1980 में तत्कालीन सिंचाई मंत्रालय (अब जल शक्ति मंत्रालय) द्वारा एक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) तैयार की गई थी। एनपीपी के तहत, राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी (एनडब्ल्यूडीए) ने साध्यता रिपोर्ट तैयार करने हेतु 30 लिंकों (प्रायद्वीपीय घटक के तहत 16 और हिमालयी घटक के तहत 14) को चिन्हित किया है। राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) के प्रायद्वीपीय घटक के तहत लिंक परियोजनाओं की मौजूदा स्थिति और उनसे राज्यों को होने वाले लाभों का विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

(ख): एनपीपी के तहत सभी लिंकों के कार्यान्वयन से 34 मिलियन किलोवाॅट (केडब्ल्यू) विद्युत का उत्पादन होने की उम्मीद है।

(ग): सितंबर, 2014 में आईएलआर कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए “नदियों के इंटरलिंग पर एक विशेष समिति” का गठन किया गया है। अब तक, इस समिति की 19 बैठकों का आयोजन किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, अप्रैल, 2015 में जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय (जल शक्ति मंत्रालय) के द्वारा नदियों की इंटरलिंग के कार्यों के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है और अब तक इस टास्क फोर्स की 15 बैठकों को आयोजित किया जा चुका है। परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए संबंधित राज्यों के बीच सर्वसम्मति बनाने और एक रोड मैप तैयार करने के लिए भी प्रयास किए गए हैं।

(घ): सभी संगत इंजीनियरिंग मापदंडों जैसे जल विज्ञान संबंधी, मौसम विज्ञान संबंधी, जलीय, भू-वैज्ञानिक, भू-तकनीकी आदि को ध्यान में रखने के अलावा, नदी परियोजनाओं की इंटरलिंग के निरूपण में आर्थिक और पर्यावरणीय पहलुओं के समाधान के लिए यथोचित सावधानी बरती गई है। व्यवहार्यता अध्ययन चरण के दौरान, एक मौसमीय डाटा का प्रयोग करते हुए तत्काल पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) अध्ययन किए जाते हैं। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) द्वारा अनुमोदित संदर्भों की शर्तों के अनुसार किसी लिंक परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के दौरान, नदी पारिस्थितिकी, पर्यावरणीय प्रवाहों, जैव-विविधता, वन्य-जीवन, सामाजिक-आर्थिक घटकों आदि पर पड़ने वाले प्रभावों से संबंधित शमन उपायों की संभावना को कवर करते हुए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) अध्ययन किया गया है।

\*\*\*\*\*

“प्रायद्वीपीय नदियों को परस्पर जोड़ना” विषय पर लोक सभा में दिनांक 16.12.2021 को उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 3055 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) के प्रायद्वीपीय घटक के तहत लिंक परियोजनाओं और राज्यों के लिए लाभों की मौजूदा स्थितियों का विवरण

क्र. सं.	नाम	स्थिति	लाभान्वित राज्य	वार्षिक सिंचाई (लाख हेक्टेयर)	घेरलू और औद्योगिक (एमसीएम)	हाइड्रोपावर (एमडब्ल्यू)
1	महानदी (मणिभद्रा)- गोदावरी (दोलेश्वरम) लिंक	साध्यता रिपोर्ट पूर्ण *	आंध्र प्रदेश और ओडिशा	4.43	700	450
2	गोदावरी (पोलावरम)- कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक	साध्यता रिपोर्ट पूर्ण	आंध्र प्रदेश	5.82	162	--
3	क). गोदावरी (इंचमपल्ली)- कृष्णा (नागार्जुन सागर) लिंक ख). वैकल्पिक गोदावरी (इंचमपल्ली)- कृष्णा (नागार्जुन सागर) लिंक	साध्यता रिपोर्ट पूर्ण  विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूर्ण#	तेलंगाना	2.87	237	975
4	गोदावरी (इंचमपल्ली)- कृष्णा (पुलीचिंताला) लिंक	साध्यता रिपोर्ट पूर्ण	तेलंगाना और आंध्र प्रदेश	6.13	413	--
5	क). कृष्णा (नागार्जुन सागर)- पेन्नार (सोमासिला) लिंक ख). वैकल्पिक कृष्णा (नागार्जुन सागर)- पेन्नार (सोमासिला) लिंक	साध्यता रिपोर्ट पूर्ण  विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूर्ण	आंध्र प्रदेश	5.81	124	90
6	कृष्णा (श्रीशैलेम)- पेन्नार लिंक	साध्यता रिपोर्ट पूर्ण	--	--	--	17
7	कृष्णा (अलमत्ति)- पेन्नार लिंक	साध्यता रिपोर्ट पूर्ण	आंध्र प्रदेश और कर्नाटक	2.58	56	13.5

8	क). पेन्नार (सोमासिला)- कावेरी (ग्रांड एनिकट) लिंक ख). वैकल्पिक पेन्नार (सोमासिला)- कावेरी (ग्रांड एनिकट) लिंक	साध्यता रिपोर्ट पूर्ण विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूर्ण #	आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुदुच्चेरी	4.91	1105	--
9	कावेरी (कट्टालई)- वैगई- गुंडार लिंक	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूर्ण	तमिलनाडु	4.48	218	--
10	पार्वती -कालीसिंध- चंबल लिंक	साध्यता रिपोर्ट पूर्ण	मध्य प्रदेश और राजस्थान	**एएलटी.।=2.20 एएलटी.॥=2.30	- 13.2	--
11	दमन गंगा- पिंजल लिंक (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के अनुसार)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूर्ण	महाराष्ट्र (मुंबई के लिए एकमात्र जलापूर्ति)	--	895	5
12	पार-तापी-नर्मदा लिंक (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के अनुसार)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूर्ण	गुजरात	2.32	76	21
13	केन-बेतवा लिंक	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूर्ण	उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश	10.62	194	103 (जलीय) और 27 मेगावाट (सौर)
14	पम्बा- अचनकोविल- वैप्पार लिंक	साध्यता रिपोर्ट पूर्ण	तमिलनाडु	0.91	--	508
15	बेदती-वर्दा लिंक	मसौदा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूर्ण	कर्नाटक	1.04	35	398.9
16	नेत्रावती- हेमवती लिंक	पूर्व साध्यता रिपोर्ट पूर्ण	कर्नाटक	0.34	--	--

\*वैकल्पिक महानदी (बारमुल) की साध्यता रिपोर्ट- रुशिकुल्या-गोदावरी (दोलेश्वरम) लिंक परियोजना पूर्ण  
\*\*एएलटी ।- गांधीसागर बांध के साथ लिंक करना, एएलटी ॥- राणाप्रताप सागर बांध के साथ लिंक करना

- पीएफआर- पूर्व साध्यता रिपोर्ट
- एफआर - साध्यता रिपोर्ट
- डीपीआर- विस्तृत परियोजना रिपोर्ट
- एमडब्ल्यू- मेगा वाट
- एमसीएम- मिलियन क्यूबिक मीटर

\*\*\*\*\*